पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन
उत्तर प्रदेश सरकार ने स्थापना दिवस मनाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है - उप राष्ट्रपति
उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन आत्मिक समाधान देने वाला दिवस है - राज्यपाल
उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है - मुख्यमंत्री

लखनऊः 24 जनवरी, 2018

लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में आज उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रथम उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का समारोह का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति श्री एम0 वेंकैया नायडु, राज्यपाल श्री राम नाईक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित, मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, मंत्री डा0 रीता बहुगुणा जोशी, मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, मंत्री श्री सुरेश खन्ना, मंत्री श्री सत्यदेव पचैरी, सांसद डा0 महेन्द्रनाथ पाण्डेय सहित अन्य विशिष्टजन, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण उपस्थित थे। समारोह में स्थानीय कलाकारों द्वारा बुन्दलेखण्डी, अवधी, सूफी, पूर्वांचल के लोक नृत्य एवं मथुरा की होली प्रस्तुत की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश का यशगान गीत भी प्रस्तुत किया गया, जिसकी रचना राजभवन में तैनात पुलिस उपनिरीक्षक श्री कुलदीप सिंह ने की है तथा सोनू निगम ने इसे स्वरबद्ध किया है। उप राष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडु ने गीत के रचियता श्री कुलदीप सिंह को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित भी किया।

उप राष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडु ने मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार व्यक्त करते हुये उत्तर प्रदेश के समस्त निवासियों को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की बधाई दी और शुभकामनाएं देते हुये कहा कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश 'उत्तम प्रदेश' बनें। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्थापना दिवस मनाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। 'जहाँ रामभाऊ नाईक होते हैं वे नये-नये विचार देते रहते हैं। उन्होंने अच्छा सुझाव दिया है।' देश एवं प्रदेश के विकास के लिये एकता और सौहार्द जरूरी हैं। विकास, सुशासन, शिक्षा, गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही तन, मन, धन सबमें स्वच्छता होनी चाहिए। आपसी भेदभाव न हो, यही संकल्प हो। चरित्र, क्षमता, आचरण और व्यवहार में शुचिता आवश्यक है। राजनीति को यदि जाति, मजहब और पैसा प्रभावित करेगा तो देश आगे नहीं बढ़ पायेगा। उन्होंने कहा कि खुले दिमाग तथा वैचारिक परिवर्तन से देश की परम्परा को बनाये रखें।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश का समृद्ध इतिहास रहा है। उत्तर प्रदेश 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले मंगल पाण्डेय, अशफाक उल्ला और रानी लक्ष्मीबाई का कर्मक्षेत्र रहा है। भगवान राम और कृष्ण, बुद्ध और जैन तथा सूफी परम्परा से जुड़ा यह प्रदेश अपने आप में विशिष्ट है। उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा प्रदेश है। 'एक जनपद एक उत्पाद' जैसी योजनाओं से जहाँ एक ओर रोजगार सृजन होगा वही पारम्परिक कलाओं को बढ़ने का मौका मिलेगा। प्रदेश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, उन्हें चिन्हित करके प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार द्वारा अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के साथ केन्द्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से राज्य का विकास सराहनीय है। उप राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की सराहना करते हुये कहा कि विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब तक उत्तर प्रदेश नहीं बढ़ेगा देश आगे नहीं बढ़ेगा।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह उत्तर प्रदेश के इतिहास में स्वर्णिम दिन है। 68 वर्ष के बाद उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पहली बार राज्य सरकार द्वारा मनाया जा रहा है। मुंबई में अभियान संस्था द्वारा गत 30 वर्षों से उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह का आयोजन होता है तथा लखनऊ की रंगभारती संस्था द्वारा पिछले 32 वर्षों से लगातार मनाया जा रहा है। इस आयोजन के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभिनन्दन के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन आत्मिक समाधान देने वाला दिवस है।

श्री नाईक ने कहा कि जीवन में कुछ ऐसी घटनायें हैं जिनसे उन्हें बहुत समाधान है। उन्होंने कहा कि संसद में राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत गाया जाना, बम्बई और बाम्बे को परिवर्तित करके असली नाम मुंबई दिलाना तथा सांसद निधि की शुरूआत कराने पर उन्हें बहुत संतोष है। 2014 में मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को पत्र लिखा, कई बार चर्चा हुई, पर मुख्यमंत्री ने उनकी सलाह का उपयोग नहीं किया। नई सरकार आने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा। 1 मई को मुख्यमंत्री ने राजभवन में आयोजित महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाये जाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि आज का आयोजन विश्व में उत्तर प्रदेश की पहचान बढ़ा सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उत्तर प्रदेश की गौरवशाली परम्परा का मंथन करके प्रदेश के सर्वांगीण विकास की नई रूपरेखा तैयार हो सकेगी। मुख्यमंत्री

ने कहा कि राज्यपाल श्री राम नाईक का हृदय से धन्यवाद जिन्होंने स्थापना दिवस आयोजन के लिये जोर देते हुये बताया कि मुंबई में यह लगातार 30 सालों से मनाया जाता है। राज्यपाल की प्रेरणा से समारोह का आयोजन किया गया जो प्रदेश की सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षिक पक्ष को ध्यान में रखते हुये उत्तर प्रदेश का परिचय कराने का प्रयास किया गया। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा एवं महत्वपूर्ण प्रदेश है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास के बिना भारत का विकास नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का गौरवशाली इतिहास रहा है। अतीत पर गर्व करने वाले ही भविष्य को बना सकते हैं। उत्तर प्रदेश मानवता, समता और समृद्धि की भूमि है जिसका देश की स्वतंत्रता में अग्रणी योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य प्रतीक चिन्ह की व्याख्या करते हुये कहा कि चिन्ह में गंगा, जमुना, भगवान राम और व्यवसाय की दृष्टि से मछली पालन दर्शाया गया है। उत्तर प्रदेश संभावना से भरा प्रदेश है जिसे उपयुक्त प्रोत्साहन की आवश्यकता है। 'एक जनपद एक उत्पाद' की अवधारणा से प्रतिभावान युवाओं का पलायन रूकेगा तथा रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत समृद्ध है।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव औद्यौगिक अवस्थापना श्री अनूप चन्द्र पाण्डेय ने 'एक जिला एक उत्पाद' योजना की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर योजना से संबंधित स्मारिका एवं लोगो का अनावरण भी किया गया तथा योजना के लाभार्थियों को चेक भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा कई महत्वाकांक्षी योजनाओं/परियोजनाओं का शिलान्यास एवं घोषणा की गयी। कार्यक्रम में धन्यवाद प्रस्ताव मुख्य सचिव श्री राजीव कुमार ने दिया।

अंजुम/ललित/राजभवन (29/29)

उत्तर प्रदेश दिवस
प्रथम समारोह
लखनऊ महोत्सव